

गौरी सुत गणराज पधारों, बीच सभा सब छोड़ के

1 भा गया मुझे द्वार तुम्हारा,
आया हाथ को जोड़ के,
गौरी सुत गणराज पधारों,
बीच सभा सब छोड़ के ॥

2 द्वार तुम्हारे लेने आया,
कीर्तन में अब रस भरदो,
मेने सब भक्तों को बोला ,
गणपति जी की जय बोलो,
(सब उठाए हाथो को अपने,
दोनों हाथ को जोड़ के,) 2
गौरी सुत गणराज पधारों,
बीच सभा सब छोड़ के ॥

3 शिव गौरा के तुम गणेशा,
इतना मुझे भी बता दो तुम,
कैसे तुम को सब रिझाते,
वैसा मुझे बता दो तुम,
(अबकी नम्बर मेरा आया,
स्वागत करू सब छोड़ कर,) 2
गौरी सुत गणराज पधारों,
बीच सभा सब छोड़ के ॥

4 मैं ना जानू पूजा थारी,
आस लगाए थारे कीर्तन में,
दर्शन देने आओ देवा,
मेरा सब कुछ अर्पण है,
(नाम करा दे इस ललित का,
(भरी सभा के बीच में) 2
गौरी सुत गणराज पधारों,
बीच सभा सब छोड़ के ॥

5 करदो तुम अरदास गौरा को,
कीर्तन में शिव गौरा आएंगे
चौखट पे तेरी आने वाले,
सब दिन मौज उड़ाएगे,
(कीर्तन में अब बरसेगा रस
कीर्तन में आओ सब छोड़ के,) 2
गौरी सुत गणराज पधारों,
बीच सभा सब छोड़ के ॥

भा गया मुझे द्वार तुम्हारा,

आया हाथ को जोड़ के,
गौरी सुत गणराज पधारों,
बीच सभा सब छोड़ के ॥

Singer and lyrics :- ललित माली इन्दौर
Email ID:- muwalalalal@gmail.com

<https://bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/34204/title/gauri-sut-ganraj-padharo-bich-sabha-sab-chod-ke>

अपने Android मोबाइल पर [BhajanGanga](#) App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |